आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है । अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है । किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना नितान्त असंभव है । विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है जो हमारी ज़रूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं । यदि कोई व्यक्ति या कम्पनी किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है । उन वस्तुओं और सेवाओं को ख़रीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है । इन दोनों को जोड़ने का कार्य विज्ञापन करता है । वह उत्पादक को उपभोक्ता के सम्पर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है ।

पुराने ज़माने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीक़े से होता था । काबुल का मेवा, कश्मीर की ज़री का काम, दक्षिण भारत के मसाले आदि वस्तुओं की प्रसिद्धि मौखिक रूप से होती थी । उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे । आज समय तेज़ी का है । संचार-क्रांति ने ज़िन्दगी को स्पीड दे दी है । मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं । इसलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गया है ।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ख) विज्ञापन किसे कहते हैं ? वह मानव जीवन का अनिवार्य अंग क्यों माना जाता है ? 2

(ग) उत्पादक किसे कहते हैं ? उत्पादक-उपभोक्ता सम्बन्धों को विज्ञापन कैसे प्रभावित करता है ? 2

(घ) किसी विज्ञापन का उद्देश्य क्या होता है ? जीवन में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए । 2

(ङ) पुराने समय में विज्ञापन का तरीक़ा क्या था ? वर्तमान तकनीकी युग ने इसे किस प्रकार प्रभावित किया है ? 2

(च) विज्ञापन के आलोचकों के विज्ञापन के सन्दर्भ में क्या विचार हैं ? 2

(छ) आज की भाग-दौड़ की ज़िन्दगी में विज्ञापन का महत्त्व उदाहरण देकर समझाइए । 2

(ज) उपसर्ग-प्रत्यय पृथक् कीजिए : 1

अनिवार्य, वास्तविकता ।

(झ) मिश्र वाक्य में बदलिए : 1

'वस्तुओं और सेवाओं को ख़रीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है ।'

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=

नीड़ का निर्माण फिर-फिर
नेह का आह्वान फिर-फिर
    वह उठी आँधी कि नभ में
    छा गया सहसा अँधेरा
धूलि-धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
    रात-सा दिन हो गया फिर
    रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा,
इस निशा का फिर सवेरा,
    रात के उत्पात-भय से
    भीत जन-जन, भीत कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर ।
    नीड़ का निर्माण फिर-फिर
    नेह का आह्वान फिर-फिर

(क) आँधी तथा बादल किसके प्रतीक हैं ? इनके क्या परिणाम होते हैं ?

(ख) कवि निर्माण का आह्वान क्यों करता है ?

(ग) कवि किस बात से भयभीत है और क्यों ?

(घ) उषा की मुस्कान मानव-मन को क्या प्रेरणा देती है ?

(ङ) 'रात आई और काली' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

## खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : 5

   (क) राजनीति और धर्म

   (ख) मेरा प्रिय खेल फुटबॉल

   (ग) भारतीय संस्कृति

   (घ) प्राचीन भारतीय विज्ञान

4. भ्रष्टाचार में संलिप्त किसी अधिकारी का कारनामा आपने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया है । विवरण-सहित पुलिस-कमिश्नर को पत्र लिखकर प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखने का अनुरोध कीजिए । 5

**अथवा**

प्रायः किसी घटना विशेष को सनसनीख़ेज़ बनाने में मीडिया पूरा प्रयत्न करता है जिससे उसकी जाँच प्रभावित होती है और दर्शक वही सच मान लेते हैं जो मीडिया दिखाता है । इस विषय पर अपने विचार तर्क-सहित प्रस्तुत करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×5=5*

   (क) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं ?

   (ख) पेज थ्री पत्रकारिता क्या है ?

   (ग) जनसंचार का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए ।

   (घ) आल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई ? आजकल यह किस संस्था के अंतर्गत है ?

   (ङ) फ़ीचर के दो लक्षण लिखिए ।

6. 'सामाजिक सुरक्षा' **अथवा** 'राष्ट्रीय एकता' पर एक आलेख लिखिए । 5

7. 'स्वच्छता-अभियान' **अथवा** 'सजग नागरिक' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए । 5

## खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×4=

खेती न किसान को भिखारी को न भीख बलि,
बनिक को बनिज न चाकर को चाकरी ।।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोचबस
कहें एक एकन सों कहाँ जाई का करी ।।
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ विलोकियत
साँकरे सबै पै राम रावरें कृपा करी ।।
दारिद दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु,
दुरित-दहन देखि तुलसी हहा करी ।।

(क) प्रकृति और शासन की विषमता के कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) तुलसीदास को इस दुरवस्था में किसका भरोसा है और क्यों ?

(ग) रावण की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

साँकरे सबै पै राम रावरें कृपा करी ।

**अथवा**

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
ज़रा टेढ़ी फँस गई ।
उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा पलटा
तोड़ा मरोड़ा
घुमाया फिराया
कि बात या तो बने
या फिर भाषा से बाहर आए –
लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ
बात और भी पेचीदा होती चली गई ।

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह ।

(क) बात को धैर्य से समझने से कवि का क्या आशय है ?

(ख) बात और भाषा परस्पर एक-दूसरे से कैसे सम्बद्ध हैं ?

(ग) बात पेचीदा कब हो जाती है ? क्यों ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फँस गई ।

**9.** निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

प्रभु प्रलाप सुनि कान बिकल भए वानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ वीर रस ।।

(क) काव्य-पंक्तियों का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) प्रयुक्त दो अलंकारों के उदाहरण चुनकर उनके सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) काव्यांश की भाषा-शैली की दो विशेषताएँ लिखिए ।

**अथवा**

हँसते हैं पौधे लघु भार
शस्य अपार
हिल-हिल, खिल-खिल
हाथ हिलाते
तुझे बुलाते,
विप्लव-रव से छोटे ही हैं शोभा पाते ।

(क) काव्यांश का शिल्प-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश का भाव-सौंदर्य समझाइए ।

(ग) प्रयुक्त भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

**10.** निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=*

(क) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' सामाजिक संवेदनशून्यता का जीता-जागता उदाहरण है, कैसे ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'पतंग' कविता में कवि ने बच्चों की तुलना किससे की है और क्यों ? उदाहरण सहित समझाइए ।

(ग) कवि ने खेत की तुलना काग़ज़ से क्यों की है ? स्पष्ट कीजिए ।

**11.** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=*

मेरे परिचितों और साहित्यिक बन्धुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है; पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है, और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है । इस सम्बन्ध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है ।

वह किसी को आकार-प्रकार और वेश-भूषा से स्मरण करती है, और किसी को नाम के अपभ्रंश द्वारा । कवि और कविता के सम्बन्ध में उसका ज्ञान बढ़ा है; पर आदर-भाव नहीं । किसी के लम्बे बाल और अस्त-व्यस्त वेश-भूषा देखकर वह कह उठती है 'का ओहू कवित्त लिखे जानत हैं' और तुरन्त ही उसकी अवज्ञा प्रकट हो जाती है – 'तब ऊ कुच्छौ करिहैं धरिहैं ना – बस गली-गली गाउत बजाउत फिरिहैं ।'

(क) लेखिका ने भक्तिन की बुद्धि को विस्मित कर देने वाली क्यों कहा है ?

(ख) कवियों के सम्बन्ध में भक्तिन की क्या मान्यता है ?

(ग) 'अवज्ञा' का क्या तात्पर्य है ? भक्तिन किसके प्रति कैसे अवज्ञा व्यक्त करती है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है ।'

**अथवा**

मैं सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार-लिप्सा क्यों नहीं समय रहते सावधान हो जाती ? जरा और मृत्यु, ये दोनों ही जगत के अति परिचित और अति प्रामाणिक सत्य हैं । तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी – 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना ।' मैं शिरीष के फूलों को देखकर कहता हूँ कि क्यों नहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है । सुनता कौन है ? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राण-कण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं । दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरन्तर चल रहा है । मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे ।

(क) शिरीष की किस विशेषता के कारण लेखक को यह सब लिखना पड़ा है ?

(ख) मूर्ख अपना स्थान क्यों नहीं छोड़ते हैं ? उन्हें क्या समझना ज़रूरी है ?

(ग) किस सच्चाई को उजागर करने के लिए तुलसी को उद्धृत किया गया है ?

(घ) 'महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं' कथन से लेखक का क्या आशय है ?

**12.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3×4=12*

(क) लेखक ने अर्थशास्त्र को अनीतिशास्त्र क्यों कहा है ? उदाहरण देकर समझाइए ।

(ख) भक्तिन नाम किसने और क्यों दिया ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ग) सजिया के लिए नमक इतना महत्त्वपूर्ण क्यों था ? नमक लाने में किन-किन का सहयोग मिला ?

(घ) शिरीष को अवधूत क्यों कहा गया है ?

(ङ) चार्ली चैप्लिन की भारत को क्या देन बताई गई है ? स्पष्ट कीजिए ।

**13.** यशोधर बाबू किन जीवन-मूल्यों को थामे बैठे हैं ? नई पीढ़ी उन्हें प्रासंगिक क्यों नहीं मानती ? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए । *5*

**14.** (क) टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िन्दगियों के अनछुए समयों के जीवन्त दस्तावेज़ होते हैं । कैसे ? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर की पुष्टि कीजिए । *5*

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन-संघर्ष के उन बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं । *5*

2015

**Series SSO**

**SET-**

कोड नं.
Code No. **2/**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृ
पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# हिन्दी (केन्द्रिक)

# HINDI (Core)

*निर्धारित समय : 3 घण्टे*
*Time allowed : 3 hours*

*अधिकतम अंक : 100*
*Maximum Marks : 100*

## खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जब समाचार-पत्रों में सर्वसाधारण के लिए कोई सूचना प्रकाशित की जाती है तो उसको विज्ञापन कहते हैं । यह सूचना नौकरियों से सम्बन्धित हो सकती है, खाली मकान को किराये पर उठाने के सम्बन्ध में हो सकती है या किसी औषधि के प्रचार से सम्बन्धित हो सकती है । कुछ लोग विज्ञापन के आलोचक हैं । वे इसे निरर्थक मानते हैं । उनका मानना है कि यदि कोई वस्तु यथार्थ रूप में अच्छी है तो वह बिना किसी विज्ञापन के ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगी जबकि ख़राब वस्तुएँ विज्ञापन की सहायता पाकर भी भंडाफोड़ होने पर बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएँगीं । परन्तु लोगों की यह सोच ग़लत है ।